प्रश्न-अभ्यास : प्रश्नोत्तर

पाठ से [redacted] :

1. इन पद्यांशों के अर्थ स्पष्ट कीजिए।

(क) पग-नुपूर कंगन हार नहीं
तुम विद्या से शृंगार करो

(ख) वह दान दया की वस्तु नहीं,
वह जीव नहीं वह नारी है।

(ग) उसे टेरेसा बन जीने दो,
उसे इंदिरा बन जीने दो।

उत्तर—(क) तुम पायल, कंगन, हार नहीं बलिक विद्या का ृंगार करो। ज्ञान की प्राप्ति के लिए लगे रहने पर ही औरतों को समाज में अपना उचित हक मिलेगा व समाज में सम्मानजनक स्थान प्राप्त होगा।

(ख) औरत दान में देने की वस्तु नहीं न ही वह दया करने की वस्तु है। वह कोई साधारण जीव-जन्तु नहीं बल्कि जीती-जागती व्यक्ति है किसी पुरुष की भाँति ही नारी है।

(ग) औरतों को मदर टेरेसा और इंदिरा गाँधी की तरह ही महान स्त्रियां बनने में मदद करो कि समाज का और भी भला हो पाय। सफलता प्राप्त कर औरतें समाज को और भी बेहतर बना देंगी जैसे कि मदर टेरेसा और इंदिरा गाँधी ने किया था।